हिन्दी लोकनाट्य

Credits : 3+1

DSE-1

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE-1 **हिन्दी लोकनाट्य**	4	3	1	—	—	**Annexure**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objective)

- विद्यार्थियों को भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोकपरंपरा का अवलोकन कराना।
- लोक जीवन और लोक संस्कृति की जानकारी देना।
- हिन्दी लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- लोकनाट्य की समग्र भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त होगा।
- विविध प्रादेशिक लोक-नाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- आधुनिक हिन्दी रंगमंच के संदर्भ में विविध लोकनाट्य रूपों के प्रयोगधर्मी स्वरूप की समझ विकसित होगी।

इकाई 1 (3 सप्ताह)

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास।
- परंपरागत एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर मध्यकालीन तथा आधुनिक मिश्रित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

इकाई 2 (3 सप्ताह)

- प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय : रासलीला, रामलीला, सांग, नौटंकी, ख्याल, माच, पंडवानी, बिदेसिया।

इकाई 3 पाठपरक अध्ययन (4 सप्ताह)

- नलदमयन्ती – सांग (लखमीचन्द)

इकाई 4 (4 सप्ताह)

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास – सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- भारतीय लोकनाट्य, वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य, विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली
- लखमीचंद ग्रंथावली, हरियाणा साहित्य अकादमी
- लोक साहित्य : पाठ और परख, विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोयडा
- भिखारी ठाकुर रचनावली, सं.प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- परंपराशीलनाट्य, जगदीशचंद्रमाथुर ,बिहार राष्ट्रभाषा परिषद ,पटना
- हमारे लोकधर्मीनाट्य ,श्याम परमार,लोकरंग, उयदय पुर
- पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएँ, कपिला वात्स्यायन

सेमेस्टर IV : DSE : क्रेडिट 4
पर्यावरण और हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE पर्यावरण और हिंदी साहित्य	4	3	1	—	—	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियों में पर्यावरण - बोध का प्रसार करना।
2. हिंदी साहित्य में पर्यावरण - चेतना को बताना।
3. पर्यावरण और जीवन के अन्योन्याश्रय संबंधों को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी पर्यावरण के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे।
2. हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त पर्यावरण चेतना को जानेंगे।
3. पर्यावरण और जीव - जगत के अंतर्संबंधों को समझेंगे।

इकाई 1 : पर्यावरण-चिंतन : अवधारणा का विकास **(4 सप्ताह)**

- प्रकृति, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी : अवधारणा और महत्त्व
- विकास की अवधारणा
- विकास की गांधी-दृष्टि
- धारणीय (Sustainable) विकास की अवधारणा

इकाई 2 : हिंदी कविता में प्रकृति **(4 सप्ताह)**

- पृथ्वी-रोदन : हरिवंशराय बच्चन
- सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र

इकाई 3 : कथा साहित्य में प्रकृति और पर्यावरण **(4 सप्ताह)**

- परती परिकथा (निर्धारित अंश) : फणीश्वर नाथ रेणु
- बाबा बटेसर नाथ (निर्धारित अंश) : नागार्जुन
- कुइयाँ जान (अंश) : नासिरा शर्मा
- नया मन्वंतर (नाटक) – चिरंजीत

इकाई 4 : कथेतर में प्रकृति-चेतना **(3 सप्ताह)**

- सुलगती टहनी : निर्मल वर्मा
- हल्दी - दूब और दधि – अक्षत : विद्यानिवास मिश्र
- आज भी खरे है तालाब (अंश) : अनुपम मिश्र

सहायक ग्रंथ:

1. राजस्थान की रजत बूँदें : अनुपम मिश्र, गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
2. विकास और पर्यावरण : सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, सूचना प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली।
3. जल, थल, मल : सोपान जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. लोग क्यों करते हैं प्रतिरोध : सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
5. साफ माथे का समाज : अनुपम मिश्र, पेंग्विन इंडिया, नई दिल्ली।
6. विचार का कपड़ा : अनुपम मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. तालाब झारखंड : हेमंत, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. अहिंसक अर्थव्यवस्था : नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
9. गांधी हैं विकल्प : नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।

सेमेस्टर Sem IV – क्रेडिट 4
जनसंचार माध्यम और तकनीक

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	**Content of Course and reference is in**
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE जनसंचार माध्यम और तकनीक	4	3	1	—	—	**Annexure**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

I. विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यमों के विस्तृत क्षेत्र से परिचित कराना।
II. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीक का ज्ञान देना।
III. जनसंचार माध्यम और तकनीक से जुड़ी आचार संहिताओं का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

I. विद्यार्थी जनसंचार के विभिन्न माध्यमों की पहुँच और प्रसार क्षमता से परिचित होंगे।
II. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीकी पक्ष को जान पायेंगे।
III. फेक न्यूज आदि से बचने के लिए इंटरनेट से जुड़ी आचार संहिताओं का सही ज्ञान होगा।

इकाई 1 : जनसंचार : स्वरूप एवं अवधारणा (4 सप्ताह)

- जनसंचार: अर्थ, परिभाषा व स्वरूप
- जनसंचार के उद्देश्य
- जनसंचारका प्रसार एवं महत्त्व
- जनसंचार के प्रकार

इकाई 2 : जनसंचार के माध्यम (3 सप्ताह)

- प्रिंट ,रेडियो और टेलीविज़न
- डिजिटल माध्यम
- सोशल मीडिया--फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब, व्हाट्सप्प ,इंस्टाग्राम
- सोशल नेटवर्किंग साइट्स तथा अन्य माध्यम

इकाई 3 : जनसंचार : तकनीकी पक्ष (4 सप्ताह)

- जनसंचार तथा सूचना तकनीक
- इंटरनेट पत्रकारिता
- ब्लॉग
- न्यू मीडिया

इकाई 4 : जनसंचार और लोकतंत्र (4 सप्ताह)

- जनसंचार माध्यमों का प्रयोग और नागरिक की ज़िम्मेदारी
- आपात स्थितियों में जनसंचार की भूमिका
- प्रेस कानून : सामान्य परिचय
- साइबर कानून :सामान्य परिचय

सहायक ग्रन्थ

- भूमंडलीकरण और मीडिया - कुमुद शर्मा
- जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी
- जनसंचार – हरीश अरोड़ा ,युवा साहित्य चेतना मण्डल ,नई दिल्ली
- जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र – जवरीमल्ल पारख
- इंटरनेट पत्रकारिता –सुरेश कुमार
- सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद - सं. संजय द्विवेदी
- वर्चुअल रिएलिटि और इंटरनेट- जगदीश्वर चतुर्वेदी
- सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन - स्नेह लता
- नए माध्यम, नई हिन्दी - प्रो. हरिमोहन
- सोशल मीडिया –स्वर्ण सुमन
- मीडिया और बाज़ार – वर्तिका नंदा
- संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य बोध - कृष्ण कुमार रत्तू